

**सोगी** वि. (तद्.) शोक करने वाला, शोकचित, शोक विह्वल अ.क्रि. उदास होना, सोचने से परेशान होना।

**सोच** पुं. (तद्.) 1. चिंता, फिक्र, दुख, रंज 2. पश्चाताप, पछतावा, शोक 3. किसी प्रिय के मरने पर दुःख का प्रकटीकरण 4. विचारने का भाव 5. सोचने की क्रिया, कोई अप्रिय काम कर डालने का पछतावा।

**सोचक** पुं. (तद्.) सौचिक, दरजी।

**सोचन** अ.क्रि. (तद्.) चिंता, फिक्र, खेद या दुख प्रकट करना।

**सोचना** अ.क्रि. (तद्.) चिंता करना, फिक्र में पड़ना, पछताना, शोक करना, दुःख करना स.क्रि. 1. किसी विषय या किसी बात की विवेचना करना 2. चिंता में पड़ना 3. विचार करना 4. कल्पना करना 5. अनुमान करना।

**सोचनीय** वि. (तद्.) चिंतन के योग्य, फिक्र के योग्य, दुखभरा, विवेचना के योग्य।

**सोच विचार** पुं. (देश.) किसी विषय का विवेचन, सोचने और समझने या विचार करने की क्रिया या भाव।

**सोच विमूल** पुं. (तद्.) सोचने में असमर्थ, कुछ समझ में न आना।

**सोचाई** स्त्री. (तद्.) सोच-विचार, सोचने की क्रिया या भाव, भावना।

**सोचाना** स.क्रि. (तद्.) 1. दिखलाना 2. विचार करवाना, किसी को सोचने में प्रवृत्त करना, सुझाना।

**सोचि** क्रि. वि. (तद्.) सोचकर, समझ कर।

**सोच्छवास** वि. (तद्.) 1. उच्छवासयुक्त 2. ढील 3. प्रसन्नत 4. हाँफता हुआ अव्य. उच्छवासपूर्वक, गहरा साँस लेते हुए, आराम की साँस लेते हुए।

**सोज** पुं. (फा.) 1. सूजना, जलन, वेदना, तीव्र 2. मानसिक कष्ट या वेदना 3. वे शेर जिन्हें

मरसियाखवाँ लय के साथ पढ़ते हैं, मनस्ताप, मरसिया ख़्वानी का एक ढंग।

**सोजन** स्त्री. (फा.) सूई, काँटा।

**सोजना** स.क्रि. (फा.) सोज पैदा करना।

**सोजनी** स्त्री. (फा.) सुजनी, पलंग पर बिछाने की एक तरह की मोटी, रंगीन चादर, कपड़े की कई तहों को साटकर और ऊपर सुई से बारीक काम करके बनाया हुआ बिछौना।

**सोजाँ** वि. (फा.) जलाने वाला, करुणाजनक पुं. शिकार करने के योग्य पशु या पक्षी।

**सोजि** पुं. (फा.) तीव्र वेदना, जलन होना (देश.) वि. वह भी, वही।

**सोजिश** स्त्री. (फा.) जलन, ताप, सूजन, व्यथा।

**सोझ** वि. (तद्.) सीधा, जो टेढ़ा न हो।

**सोझना** स.क्रि. (देश.) सौंधा करना, शुद्ध करना, शोधना।

**सोझा** वि. (तद्.) ऊर्ध्वाधर, जो टेढ़ा न हो, सरल स्वभाव वाला, खड़ा सरल, सीधा, समक्ष, सामने।

**सोटा** पुं. (देश.) 1. चलने में सहारे के लिए काम आने वाला बाँस/लकड़ी, सोंटा 2. तोता।

**सोडा** पुं. (अं.) एक प्रकार का क्षारीय रासायनिक पदार्थ, जो दो प्रकार के होते हैं एक कपड़े धोने का सोडा और दूसरा खाने का सोडा।

**सोडा वाटर** पुं. (अं.) सोडे से युक्त क्षारीय पेय, खारा पानी।

**सोढ़/सोढ** वि. (तद्.) भुगता गया, बर्दाश्त किया गया, झेला गया, सहन किया हुआ, सहिष्णु।

**सोढ़कर** वि. (तद्.) 1. बेवकूफ, भौंदू, बुद्धु, मूर्ख 2. सरलता से किसी ओर प्रवृत्त/अनुरक्त हो जाने वाला।

**सोढव्य** वि. (तत्.) सहन करने योग्य।

**सोढी** वि. (तत्.) जिसने सहन किया है।

**सोणक** वि. (तद्.) लाल, रक्तवर्णक।